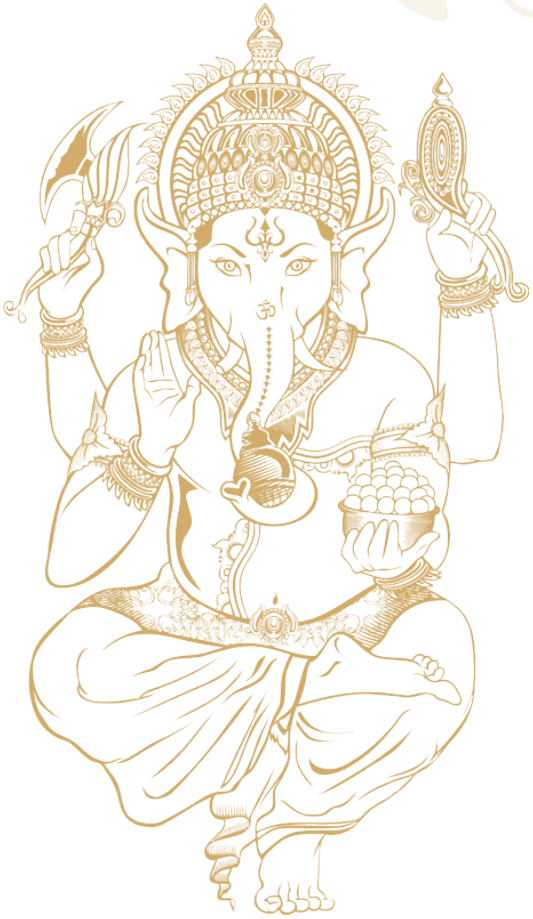

Shristy agrawal

23 Aug 1993

01:55 AM

Gaya

Model: web-freekundliweb

Order No: 121907404

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**22-23/08/1993**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**01:55:00 घंटे**
इष्ट	51:09:54 घटी
स्थान	**Gaya**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	24:48:00 उत्तर
रेखांश	85:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:05:00 घंटे
वेलान्तर	-00:02:55 घंटे
साम्पातिक काल	00:09:35 घंटे
सूर्योदय	05:27:02 घंटे
सूर्यास्त	18:18:17 घंटे
दिनमान	12:51:15 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	05:58:09 सिंह
लग्न के अंश	18:46:04 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 3**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	ब्रह्म
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रो-रोहिणी
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	18:46:04	318:40:54	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	---
सूर्य			सिंह	05:58:09	00:57:50	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	मूलत्रिकोण
चंद्र			तुला	15:44:24	14:11:06	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	सम राशि
मंगल			कन्या	13:04:43	00:38:23	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
बुध		अ	कर्क	29:20:01	02:00:15	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
गुरु			कन्या	19:38:41	00:10:58	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	00:32:23	01:10:47	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	चंद्र	शत्रु राशि
शनि	व		कुंभ	02:57:53	00:04:31	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	शुक्र	मूलत्रिकोण
राहु	व		वृश्चि	14:38:42	00:01:48	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	14:38:42	00:01:48	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	सम राशि
हर्ष	व		धनु	24:57:39	00:01:37	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
नेप	व		धनु	24:58:57	00:01:07	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
प्लूटो			तुला	29:03:41	00:00:41	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	सूर्य	---
दशम भाव			मीन	08:50:35	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:23

लग्न-चलित

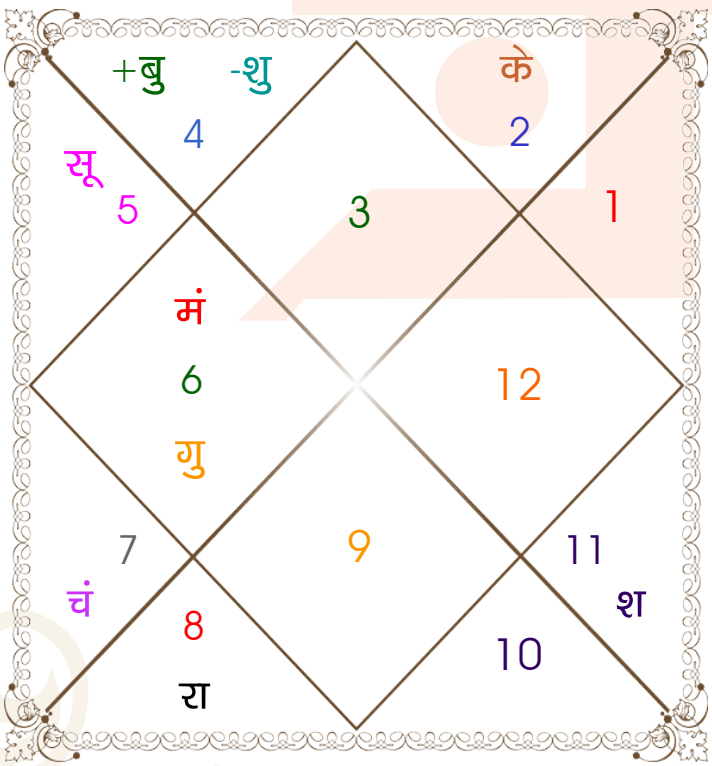

चन्द्र कुंडली

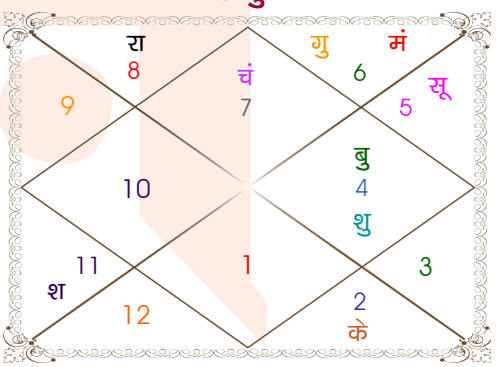

नवमांश कुंडली

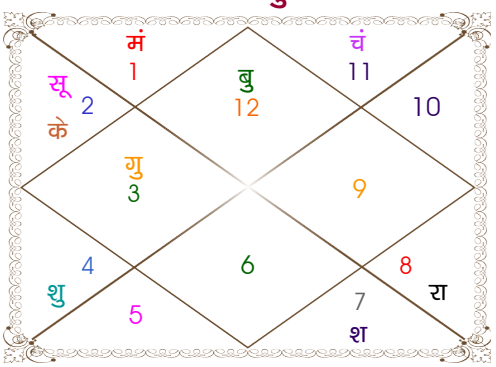

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 5 वर्ष 9 मास 0 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
23/08/1993		24/05/1999		24/05/2015		24/05/2034		24/05/2051	
24/05/1999		24/05/2015		24/05/2034		24/05/2051		24/05/2058	
	00/00/0000	गुरु	11/07/2001	शनि	27/05/2018	बुध	19/10/2036	केतु	20/10/2051
	00/00/0000	शनि	23/01/2004	बुध	03/02/2021	केतु	17/10/2037	शुक्र	19/12/2052
	00/00/0000	बुध	30/04/2006	केतु	15/03/2022	शुक्र	17/08/2040	सूर्य	26/04/2053
	00/00/0000	केतु	05/04/2007	शुक्र	14/05/2025	सूर्य	23/06/2041	चंद्र	25/11/2053
	23/08/1993	शुक्र	04/12/2009	सूर्य	26/04/2026	चंद्र	22/11/2042	मंगल	23/04/2054
शुक्र	11/12/1995	सूर्य	23/09/2010	चंद्र	26/11/2027	मंगल	20/11/2043	राहु	12/05/2055
सूर्य	04/11/1996	चंद्र	23/01/2012	मंगल	04/01/2029	राहु	08/06/2046	गुरु	17/04/2056
चंद्र	06/05/1998	मंगल	29/12/2012	राहु	11/11/2031	गुरु	13/09/2048	शनि	27/05/2057
मंगल	24/05/1999	राहु	24/05/2015	गुरु	24/05/2034	शनि	24/05/2051	बुध	24/05/2058

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
24/05/2058		24/05/2078		23/05/2084		24/05/2094		25/05/2101	
24/05/2078		23/05/2084		24/05/2094		25/05/2101		00/00/0000	
शुक्र	22/09/2061	सूर्य	10/09/2078	चंद्र	24/03/2085	मंगल	20/10/2094	राहु	05/02/2104
सूर्य	23/09/2062	चंद्र	12/03/2079	मंगल	23/10/2085	राहु	08/11/2095	गुरु	30/06/2106
चंद्र	23/05/2064	मंगल	18/07/2079	राहु	24/04/2087	गुरु	13/10/2096	शनि	06/05/2109
मंगल	23/07/2065	राहु	11/06/2080	गुरु	23/08/2088	शनि	22/11/2097	बुध	24/11/2111
राहु	23/07/2068	गुरु	30/03/2081	शनि	24/03/2090	बुध	19/11/2098	केतु	11/12/2112
गुरु	24/03/2071	शनि	12/03/2082	बुध	23/08/2091	केतु	18/04/2099	शुक्र	24/08/2113
शनि	24/05/2074	बुध	16/01/2083	केतु	23/03/2092	शुक्र	18/06/2100		00/00/0000
बुध	24/03/2077	केतु	24/05/2083	शुक्र	22/11/2093	सूर्य	24/10/2100		00/00/0000
केतु	24/05/2078	शुक्र	23/05/2084	सूर्य	24/05/2094	चंद्र	25/05/2101		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 5 वर्ष 9 मा 17 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों की पर्यटक होंगी। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगी।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगी। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि की स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पाती। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाती हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देती हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने की आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहती हैं।

आप अच्छी तरह यह जानती हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करती हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होती हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाती हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकती हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगी। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगी।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगी। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।